Seventeenth Loksabha

pan>

Title: Need to open UPSC Examination centre in Srinagar, Garhwal.

श्री तीरथ सिंह रावत (गढ़वाल): धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अपने श्रीनगर-गढ़वाल क्षेत्र में यूपीएससी परीक्षा केन्द्र खोलने हेतु आकर्षित करना चाहता हूं। उत्तराखण्ड विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाला प्रदेश है, जिसका 90 प्रतिशत क्षेत्र पहाड़ी है। वहां से दिल्ली और देहरादून आने के लिए सीमित साधन हैं, जिससे वहां के परीक्षार्थियों को यूपीएससी की परीक्षाओं में सम्मिलित होने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

उत्तराखंड के टूरिस्ट स्थान जैसे चमोली, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल के परीक्षार्थियों के लिए विभिन्न यूपीएससी की परीक्षाओं को देने के लिए श्रीनगर, गढ़वाल एवं अत्यंत सहज परीक्षा केंद्र रहेगा, क्योंकि उन्हें देहरादून जैसे केंद्र जो कि 200 से 300 किलोमीटर दूर पड़ता है, विभिन्न कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस वजह से बहुत सारे परीक्षार्थी परीक्षा देने से वंचित रह जाते हैं। जैसा कि आपको विदित है कि श्रीनगर में हेमंतीनंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, मेडिकल कालेज, इंजीनियरिंग कालेज, एनआईटी जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान हैं तथा वह गढ़वाल क्षेत्र का शिक्षा केंद्र है इसलिए यहां यूपीएससी की परीक्षा केंद्र की अत्यंत आवश्यकता है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं कि छात्र हितों को देखते हुए यूपीएससी की परीक्षा श्रीनगर, गढ़वाल में कराने की कृपा करें।

माननीय अध्यक्ष :

कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल को श्री तीरथ सिंह रावत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

*104

Title: Demand to give financial package for development and rehabilitation

एडवोकेट अजय भट्ट (नैनीताल-ऊधमसिंह नगर): अध्यक्ष जी, उत्तराखंड राज के 16793 गांवों में से लगभग 1582 गांव खाली हो चुके हैं। जहां पहले बच्चों की किलकारियां, माताओं-बहनों के मंगलगीत, बुजुर्गों की सामूहिक चौपाल लगा करती थी तथा गाय-भैंस आदि पालतू जानवरों से चहल-पहल रहती थी, आज वहां मकानों के आंगन में घास उग गई है। बंदर, लंगूर, सूअर, बाघ, चीते आदि जानवर उनके ऐशगाह बन गए हैं। सामरिक दृष्टि से सीमावर्ती प्रदेश के गांवों का खाली होना बहुत ही गंभीर बात है।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि इन गांवों को पुन: बसाया जाए। जो लोग दूसरी जगह रोजगार की तलाश में चले गए हैं, उनको यहां दोबारा बुलाया जाए, इसके लिए एक आर्थिक पैकेज देना बहुत आवश्यक है, जिससे शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सड़क जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं, जिससे रोजगार के साधन भी उपलब्ध हो सकें।

मान्यवर, मैं आपसे पुन: निवेदन करता हूं कि इस ओर बहुत बहुत गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि उत्तराखंड की सीमाएं चीन, नेपाल और तिब्बत से मिलती हैं। सीमाओं का मजबूत होना आज की दृष्टि से बहुत ही आवश्यक है।

माननीय अध्यक्ष :

कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल को एडवोकेट अजय भट्ट द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

*t105

Title: Regarding amendment of article 371-h.

श्री तापिर गाव (अरुणाचल पूर्व): अध्यक्ष जी**,** अरुणाचल प्रदेश जब यूनियन टेरिटरी था और सिक्स्थ शेड्यूल कांस्टिट्यूशन ऑफ इंडिया में था। वर्ष 1987 में जब से अरुणाचल प्रदेश स्टेट बना**,** सिक्स्थ शेड्यूल वहां से ओमिट किया गया। आपको मालूम है कि अरुणाचल प्रदेश 99.99 परसेंट ट्राइबल प्रदेश है। हमारी मांग है और रिसेंटली अरुणाचल प्रदेश असेम्बली में भी यह पास हुआ कि आर्टिकल-371 h को अमेंड किया जाए और उसमें ट्राइबल राइट्स**,** फारेस्ट**,** वॉटर**,** लैंड रिसोर्स राइट्स और कस्टमरी प्रैक्टिस को रेस्टोर किया जाए।

माननीय अध्यक्ष :

कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल को श्री तापिर गाव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

*t106

Title: Need to take steps to control erosion of river Ganga and Phulhar in Malda district of West Bengal.

श्री खगेन मुर्मु (माल्दहा उत्तर): महोदय, पश्चिम बंगाल के माल्दहा जिले का अधिकांश भाग गंगा और फुल्हर नदी पर बसा हुआ है । प्रति वर्ष आने वाली बाढ़ और कटाव के कारण कई गांवों जैसे महानंद टिला, बिलईमारी, काल्हा, देवीपुर, उत्तर-दक्षिण बकुरिया गांव के लोगों को बहुत ही नुकसान उठाना पड़ता है। महानंद टिला, बिलईमारी गांव गंगा से सिर्फ 150 मीटर की दूरी में बसे हुए हैं। जो गांव नदी में विलीन हो चुके हैं, वे जंजाली टौला, हुसैनपुर, चीना बजार दुर्गाराम टौला, चौधरीपारा आदि हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार और विभागीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि गंगा और फुल्हर नदी के बारे में कटाव की रोकथाम के लिए स्थानीय इकाइयां योजना बनाकर समस्या का समाधान करें। अभी तक जो लोग प्रभावित होकर सड़कों पर जाने को मजबूर हैं, उनके पुनर्वास एवं रोजगार की व्यवस्था की जाए तथा कटाव के कारण उन्हें हुई क्षति का मूल्यांकन करते हुए मुआवजा दिया जाए।

*t107

Title: Need to give martyr status to Doctors and health care workers who lost their lives due to Corona virus.

डॉ. आलोक कुमार सुमन (गोपालगंज): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान कोरोना से संक्रमित होने वाले डॉक्टर्स एवं हेल्थ केयर वर्कर्स की ओर दिलाना चाहता हूं, जिनके ऊपर कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा अटैक्स हुए हैं, उनको कलंकित किया गया है, कई जगहों पर बहिष्कृत भी किया गया है, उनकी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया है एवं अन्य कई तरह की परेशानियां हमारे हेल्थ केयर वर्कर्स एवं डॉक्टर्स को उठानी पड़ी हैं। जब कि वे 24 घंटे इस महामारी में लोगों की जान बचाने में कुर्बान एवं शहीद होते रहे हैं।

महोदय, भारत सरकार के अनुसार 87 हजार हेल्थ केयर वर्कर्स इनफेक्टेड हुए हैं, जिनमें से 573 की जानें गई हैं। आईएमए के अनुसार करीब 307 डॉक्टर्स की मृत्यु हुई है एवं 2,006 डॉक्टर्स इनफेक्टेड हुए हैं, जिनमें 188 प्राइवेट जनरल प्रैक्टिसनर्स भी हैं, जो डायरैक्ट पेशेंन्ट्स के कॉन्टेक्ट एवं उनकी सेवा में थे, उनकी मृत्यु हुई है। बिहार में भी 25 डॉक्टर्स की मृत्यु हुई हैं। डॉक्टर्स के परिवार भी कोरोना से प्रभावित हुए हैं। महामारी के समय डॉक्टर्स फैटर्निटी ने अपनी कुर्बानी देकर राष्ट्र की सेवा की है एवं सेवा करते-करते शहीद हो गए हैं।

महोदय, मैं पेशे से एक डॉक्टर हूं। मैं एक डॉक्टर एवं माननीय सांसद होने के नाते आपकी छत्रछाया में सरकार से आग्रह करता हूं कि सरकारी डॉक्टर्स हों या प्राइवेट हों, जो शहीद हुए हैं, उनको शहीद का दर्जा दिया जाए। उनके बच्चों एवं परिवार को शहीदों की भांति सोशल सिक्योरिटी दी जाए एवं क्वालिफिकेशन के आधार पर नौकरी एवं शहीद की तरह उनको क्षतिपूर्ति दी जाए। धन्यवाद।

*t108

Title: Need to construct a ring road in Guna and Ashok Nagar in Guna Parliamentary Constituency.

श्री कृष्णपालसिंह यादव (गुना): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान अपने लोक सभा संसदीय क्षेत्र गुना व अशोक नगर जिला मुख्यालय की ओर आकर्षित कराना चाहता हूं। नगर के आस-पास ग्रामीण परिवेश व कृषि उपज मंडी में उपज बिक्री के कारण यातायात व जनसंख्या के दबाव में सतत् वृद्धि हो रही है,

जिसके कारण नगर विस्तार हेतु एक रिंग रोड की महती आवश्यकता है, जिससे नगर में बाहरी वाहनों का दबाव कम हो सके एवं शहर का विस्तार होने से नगर के मध्य में संचालित व्यापारिक व औद्योगिक परिवहन नगर के बाहर से हो सके तथा क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हो सकें।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री आदरणीय श्री नितिन गडकरी जी से विनम्रतापूर्वक आग्रह करता हूं कि सेंट्रल रोड फंड के तहत गुना व अशोक नगर में रिंग रोड बनाने की स्वीकृति देने की कृपा करें। इसके साथ ही मैं माननीय मंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूं कि आजादी के 70 सालों के बाद मेरे गृह जिले अशोक नगर में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 346 की जो सौगात प्रदान की है, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

*t109

Title: Demand to continue National Programme for Prevention & Control of Cancer, Diabetes, Cardiovascular Disease & Stroke (NPCDCS) projects in community centres in Khiro Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री अजय मिश्र टेनी (खीरी): माननीय अध्यक्ष जी, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने 2016 में मेरे लोक सभा क्षेत्र लखीमपुर खीरी में पहला एनपीसीडीसीएस प्रोजेक्ट शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य था कि कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक आदि गंभीर रोगों की रोकथाम एवं उपचार हो। उस क्रम में उन्होंने हमारे जिले के सभी 17 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में योग के शिक्षक और आयुष चिकित्सकों की नियुक्ति की थी, जिनके कारण उन्होंने लगतार सामुदायिक केन्द्रों के साथ नीचे उतर कर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तक और जागरूकता कैंपों के माध्यम से इन रोगों के प्रति जागरूकता भी पैदा की, जिससे हमारे जिले में रोकथाम के अवसर मिले। उस क्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने थर्ड पार्टी के रूप में उस उक्त प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया था और उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लखीमपुर के उस प्रोजेक्ट की सराहना भी की। उसके साथ-साथ यह भी बताया कि इस समय के दौरान लगभग 5 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई और उन लोगों की काउंसिलिंग करके उनको जागरूक किया गया। उक्त प्रोजेक्ट से कोविड-19 के संक्रमण को रोकने में भी मदद मिली है।

माननीय अध्यक्ष जी, अभी यह जानकारी आ रही है कि लखीमपुर जनपद से उस उक्त प्रोजेक्ट को हटाया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से माननीय आयुष मंत्री जी और भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि उक्त एनपीसीडीसीएस प्रोजेक्ट को सभी सामुदायिक केन्द्रों पर जारी रखने की कृपा की जाए।

*t110

Title: Need to take steps for revival of Paper Mills in Assam.

डॉ. राजदीप राय (सिल्चर): महोदय, मैं आपके सामने बहुत ही संगीन विषय रख रहा हूं। असम के लगभग सभी लोगों में यह चर्चा का विषय है कि असम में दो पेपर मिल्स हैं, एक पंचग्राम पेपर मिल और दूसरी जागी रोड में पेपर मिल है, जिनमें चार हजार लोग परमानैंट और कॉन्ट्रैक्चुअल रूप में काम करते हैं। उनके अलावा नॉर्थ ईस्ट के करीब एक लाख बैम्बू ग्रोवर्स उन दो मिल्स पर डिपेंडेंट थे। कुछ साल पहले ये दोनों मिल्स बंद हो गई। हमारा यह पोल प्रॉमिस था, हम लोगों ने चुनाव से पहले बोला था कि इन मिल्स को चालू करने के लिए जो भी जरूरी काम होगा, वे काम करेंगे।

लेकिन आज के दिन ये मिलें बंद होने के कारण दलालखोर लोग और जो लोग मिलों को नष्ट करने में लगे हुए थे, वे आज रास्ते पर आकर उलटा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत कर रहे हैं यानी हम लोगों पर अँगुली उठा रहे हैं।

मैं आपके माध्यम से सरकार से, विशेषकर हमारे प्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और हेवी इंडस्ट्री मिनिस्टर को मेरा एक सजेशन है, अगर वे उन पर ध्यान दें, तो अच्छा होगा।

पहली बात यह है कि वहां पर जितना स्टाफ है, जिनके एरियर बाकी हैं, चाहे पीएफ हो या ग्रेच्युटी हो, उनको दो या तीन हिस्सों में बांटकर दिया जाए, तो बहुत अच्छा होगा। मिलों को चालू करने के लिए जैसे भी हो, किसी प्राइवेट पार्टी को देकर या पीपीपी मोड में यानी कुछ हिस्सा गवर्नमेंट का हो और कुछ हिस्सा प्राइवेट पार्टी का रहे, अगर इस प्रकार से ये शुरू किए जाएं तो हमारे असम के लोग सरकार को बहुत-बहुत दुआएं देंगे।

दूसरी बात, मैं आपके बारे में कहना चाहता हूं। आपकी देख-रेख में लोक सभा टीवी को, जैसे हम लोग यहां पर बैठे हुए हैं और रात के साढ़े बारह-एक बजे तक रहते हैं और लोक सभा टी.वी. के लोग हमारे साथ आपकी देख-रेख में रहते हैं, उनके लिए एक गाइडेंस की जरूरत है। वे दिन भर डिबेट्स-न्यूज में व्यस्त रहते हैं। आज के दिन पूरे देश में इसका प्रचार हो रहा है।...(व्यवधान)

माननीय सदस्यगण, लोक सभा में लोक सभा के बारे में चर्चा नहीं की जाती है। मैं सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करता हूँ।

*t111

Title: Demand to expedite the construction of ring road in Kurukshetra.

श्री नायब सिंह सैनी (कुरुक्षेत्र): माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे ज़ीरो ऑवर में अपने लोक सभा क्षेत्र कुरुक्षेत्र के लोक-हित में एक समस्या को उठाने का मौका दिया है, मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूँ।

कुरुक्षेत्र एक महाभारतकालीन धार्मिक नगरी है, जहाँ पर सर्वमानव जाति के लिए युद्ध के मैदान में भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का संदेश दिया था। मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद करना चाहूंगा, जिन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की धरती पर श्री कृष्णा सर्किट-1 और श्री कृष्णा सर्किट- 2 के माध्यम से 48 कोस की परिक्रमा में 134 महाभारतकालीन धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार का काम कर रहे हैं। मेरे कुरुक्षेत्र शहर में देश-विदेश से हर रोज हजारों की संख्या में तीर्थ यात्री एवं श्रद्धालु आते हैं।

मैं आपके माध्यम से माननीय नितिन गडकरी जी के ध्यान में एक बात लाना चाहता हूँ क्योंकि कुरुक्षेत्र शहर से एक ही सड़क गुजरती है, जिसके ऊपर ट्रैफिक का बहुत भारी दबाव रहता है और हर रोज काफी संख्या में श्रद्धालु वहां आते हैं। वह सड़क पेहवा, पुंडरी, कैथल, हिसार और राजस्थान को जोड़ती है।

आपके माध्यम से मेरी अपील है कि वहां पर एक रिंग रोड बनाया जाए, इसकी पैमाइश भी हुई है, इससे पहले भी मैंने इस मुद्दे को उठाया था। इसलिए वहां पर जल्दी रिंग रोड बनाने का काम शुरू किया जाए।

मैं आपके माध्यम से इतनी ही अपील करना चाहता हूँ। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री नायब सिंह सैनी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

*t112

Title: Reagrding railway issues in Nagaur Parliamentary Constituency, Rajasthan.

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर): माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपको धन्यवाद दूँगा कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया।

हमारे यहाँ वर्षों से एक ट्रेन संचालित हो रही है। पिछली सरकार ने इस ट्रेन का नाम लीलण एक्सप्रेस रखा था। लीलण, वीर तेजाजी महाराज, जिन्होंने एक हजार साल पहले गायों के लिए कुर्बानी दी, की घोड़ी थी। जब उनका बलिदान हुआ, तो ढाई-तीन सौ किलोमीटर उनके गांव पहुंचकर वह सती हुई थी।

ट्रेन संख्या 12467 / 12468 जैसलमेर-बीकानेर-नागौर-जयपुर रूट पर संचालित होती आ रही थी। रेलवे बोर्ड ने नयी समय सारणी में मार्ग परिवर्तन का प्रस्ताव दिया, जो एक गलत निर्णय है। उक्त ट्रेन जयपुर से कूचामन-मकराना-डेगाना-मेड़ता-मुंडवा-नागौर-नोखा-बीकानेर-जैसलमेर मार्ग पर चलती थी। इस ट्रेन में सैंकड़ों लोग, कर्मचारी और सेना के जवान आवागमन करते हैं। धार्मिक पर्यटन और सामरिक दृष्टि से भी यह मार्ग महत्वपूर्ण है। इसलिए आप तत्काल प्रभाव से संबंधित अधिकारी को निर्देशित करें।

अध्यक्ष महोदय, यह ट्रेन पहले नागौर से गुजरती थी। अब इसके रूट को चेंज कर दिया है, विशेषकर तेजाजी महाराज की जन्मस्थली नागौर है, उनकी घोड़ी के नाम पर ही इस ट्रेन का नाम लीलण एक्सप्रेस रखा गया था, इसलिए इससे लोगों की जन-भावनाएं जुड़ी हैं।

अत: मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन है - मैं उनसे बात भी करूंगा – कि वे इस रूट पर पुन: इस ट्रेन को चालू करवाएं, क्योंकि अपनी सरकार के समय इस ट्रेन का नाम लीलण एक्सप्रेस रखा गया था। लोगों के अंदर इसको लेकर भारी आक्रोश है, मैं निवेदन करता हूं कि लीलण एक्सप्रेस को पुन: नागौर जिले के अंदर से

होते हुए जयपुर आने वाले रूट पर चलाएं।

इसका एक फायदा यह है कि लोग उधर से आते हैं और शाम को वापस उनको गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दो ट्रेन्स चलती हैं। इससे जैसलमेर से जयपुर आने-जाने में सुविधा रहती है। मेरा आपसे यह निवेदन रहेगा कि आप सरकार को इस बारे में सूचित करें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

श्री मलूक नागर को श्री हनुमान बेनीवाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

*t113

Title: Demand for four lanning of Ujjan-Jhalawad road.

श्री अनिल फिरोजिया (उज्जैन): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी और गडकरी जी को भी बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं और आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने उज्जैन-झालावाड़ टू-लेन रोड सैंक्शन किया है। इस रोड पर काफी दुर्घटनाएं हो रही हैं, ट्रैफिक का काफी लोड है और सैकड़ों परिवार के लोगों की जानें इन दुर्घटनाओं में चली गई हैं।

मैं आपके माध्यम से माननीय गडकरी जी से निवेदन करना चाहता हूं कि इसको वे अगर फोर-लेन बनाने के लिए स्वीकृत कर देंगे तो इससे काफी परिवार सुरक्षित हो जाएंगे। यह रोड कोटा के लिए भी जाती है। आपको भी इस रोड की पूरी जानकारी है कि इस पर काफी लोड है।

अत: आपके माध्यम से मेरा गडकरी साहब से निवेदन है कि इस रोड को वे फोर-लेन करवाने की कृपा करें, क्योंकि उज्जैन में सिंहस्थ भी आता है, इसलिए सिंहस्थ को भी ध्यान में रखते हुए इसे फोर-लेन करना बहुत जरूरी है। यही मेरा आपसे आग्रह, अनुरोध है। धन्यवाद।

*t114

Title: Need to develop Kishangarh Marble granite market as marble hub.

श्री भागीरथ चौधरी (अजमेर): अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत आभार, बहुत-बहुत धन्यवाद।

महोदय, भारत में राजस्थान प्रदेश मार्बल एवं ग्रेनाइट उत्पादन का सबसे बड़ा केंद्र होने के साथ-साथ कृषि के बाद सबसे ज्यादा रोज़गार देने वाला व्यवसाय है। वर्तमान में प्रदेश के 33 जिलों में से 23 जिलों में मार्बल एवं ग्रेनाइट के खनन और उत्पादन का कार्य हो रहा है। इसमें लगभग 50 लाख लोग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं।

वर्तमान में पूरे प्रदेश में मार्बल एवं ग्रेनाइट की लगभग 3,000 इकाईयां संचालित हैं। ये सभी सूक्ष्म एवं लद्यु उद्योग की परिभाषा में आती हैं, जो कि देश के सकल घरेलू उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन वर्तमान में उक्त दोनों उत्पादनों पर दिनांक 10.11.2017 से जीएसटी की दर 18 प्रतिशत चली आ रही है।

जीएसटी की दर तय करते समय सूक्ष्म एवं लद्यु उद्यमों की भारी उपेक्षा की गई। उनकी अनदेखी का परिणाम है कि पूर्व में उत्पादन पर सेल-टैक्स की दर पांच परसेंट थी। उक्त दर के चलते गत ढाई वर्षों में इन दोनों उत्पादनों के खनन एवं प्रसंस्करण में संभावित नया निवेश थम सा गया है। वहीं दूसरी ओर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत रहने से आने वाले समय में संभावित निवेश पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से खनिज मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि वर्तमान में कोरोना महामारी के चलते वैश्विक मंदी के चलते हजारों इकाईयों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते मार्बल एवं ग्रेनाइट का विशाल व्यापार भी चौपट होने की संभावना है।

महोदय, आपके माध्यम से केन्द्रीय वित्त मंत्री महोदया से मेरा करबद्ध निवेदन है कि आगामी जीएसटी अनुसूची में परिवर्तन के समय राजस्थान प्रदेश में मार्बल एवं ग्रेनाइट उत्पादन की वर्तमान जीएसटी दर 18 प्रतिशत से पांच प्रतिशत करने की कृपा करें। यह सर्वविदित है कि किसी भी उद्योग में नए निवेश से उछाल आता है और निवेशकों को आकर्षित करने का यह सहज और सरल उपाय है कि करों में छूट प्रदान की जाए।

महोदय, मैं आखिर में यही कहना चाहूंगा कि अजमेर जिले में किशनगढ़ मार्बल एवं ग्रेनाइट मंडी है, उसको मार्बल हब घोषित किया जाए, ताकि वहां से ज्यादा से ज्यादा एक्सपोर्ट किया जाए। इससे हमारे देश में ज्यादा से ज्यादा मुद्रा आएगी। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री भागीरथ चौधरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

डॉ. सुभाष सरकार – क्या आप बंगाली में बोलेंगे?

*t115

Title: Demand to develop hospital block into a covid facility centre in Bankura in West Bengal.

***DR. SUBHAS SARKAR (BANKURA):** Hon'ble Speaker Sir, I will speak in Bengali. My Parliamentary Constituency Barkura has four assembly segments which are mostly populated by the SC-ST, Backward class people. In that area approximately 50,000 migrant labourers have returned from various places after lockdown and hundred days of work has been arranged for these hapless people. But they are not receiving their wages in time. This situation prevails throughout West Bengal. However our Hon'ble Prime Minister has allocated Rs. 40,000 crores of additional sum of money for their benefit but that is not reaching to these poor people.

Even today I got a report which states that 16 labourers worked in a particular site, whereas payments were made for 25 workers; again two genuine workers out of the 16 were not paid anything at all. Sir, through you I request the Ministry of Rural Development to look into the matter and instruct the State Government to fix the problem. The Centre should seek a report from the State as to why wages are not being paid in time and to see whether the names of the beneficiaries are correctly incorporated in the list or not. Similarly Hon'ble Prime Minister has been kind enough to extend an aid of Rs.150 crore to Bankura Medical College for the construction of a Super Speciality Block. The work has been completed, all infrastructure is in place. But the State Health Department is not using the building and the equipment. Thus I urge upon the Centre to ask the State Government to take over the hospital block immediately and convert it into a Covid facility without further delay.Thank you.

*t116

Title: Need to expedite the implementation of Non-Par Girna Project in Maharashtra.

***SHRI UNMESH BHAIYYASAHEB PATIL (JALGAON) :** Hon'ble Speaker Sir, our Hon'ble Ex Prime Minister Atal Behari Vajpayeeji had decided to complete the Interlinking of River Project. Nar-par Girna Project is a very important project of my constituency in Northern Maharashtra but, it has not been completed for the last 30-32 years. Sir Girna project is the largest project in Northern Maharashtra which has a capacity of 22 TMC and in Nar-par rivers ravine, we have plenty of rainfall every year. Godavari river which originates at Trimbakeshwar and then flows via Nashik, Kopargaon, Telengana State and empty out in Bay of Bengal. The water of Taptee river also flows towards Gujarat. In this way we have sufficient water availability around us, but still we have to face drinking water scarcity.

If we really want to resolve it, this Interlinking of Rivers Project need to be expedited. We should divert the water of Nar-par river towards Girna river and joined to Lower Taptee Project. Interlinking would help to find a permanent solution for scarcity of water in this area.

Thank you.

*t117

Title: Issue regarding empowernment of women and alleged fake news on condition of women in Odisha.

श्री अनुभव मोहंती (केन्द्रपाड़ा): सर, धन्यवाद। मैं आपसे हाथ जोड़कर विनती करना चाहूंगा, क्योंकि जो बात मैं बोल रहा है, वह बहुत गम्भीर है। ओडिशा मेरी मां है और मेरी मां के बारे में आज कुछ फेक न्यूज इसी सदन में मेरे सामने बोली गई है। मैं आपसे अनुमति चाहूंगा कि मुझे दो मिनट ज्यादा वक्त दें तो मैं अपने दिल की बात बोल पाऊंगा।

माननीय अध्यक्ष : आप केवल एक मिनट में अपनी बात खत्म कर दीजिए।

श्री अनुभव मोहंती: सर, मैं कोशिश करूंगा कि जल्दी अपनी बात खत्म कर सकूं। मैं हमारे सनातम धर्म के चार धामों में से एक धाम से हूं, जिसे जगन्नाथ पुरी धाम बोलते हैं। वहां पर महाप्रभु श्री जगन्नाथ अपनी बहन के बिना घर से बाहर नहीं निकलते हैं। साल में एक बार जब वे अपने भक्तों को मिलने के लिए बाहर निकलते हैं तो वह अपनी मौसी के यहां जाते हैं। जब वह मौसी के यहां से वापस आते हैं तो घर के अंदर घुसने से पहले माता लक्ष्मी से उनको अनुमति लेनी पड़ती है, उनको मनाना पड़ता है, फिर वह मंदिर में वापस जाते हैं। यह ऐसी मिट्टी है, ऐसी जगह है, जहां पर माताओं, बहनों, स्त्रियों और महिलाएं जिस रूप में हों, सबको इज्जत और बहुत सम्मान से पेश करते हैं, उनको इज्जत देते हैं।

आज इसी सदन में एक माननीय सदस्य, जो ओडिशा से हैं, उन्होंने यहां कुछ गलत तथ्यों को रखा है, जिससे मुझे बहुत शर्म आ रही है। वह इतने जाने-माने और पढ़े-लिखे इंसान होते हुए भी किस तरह से इस तरह की बात यहां पर कर पाए। पहली बहुत छोटी बात यह है कि उनको यह समझ में आना चाहिए था कि जो ओडिशा का स्टेट मैटर है, उसको यहां नहीं बोलना चाहिए।

दूसरी बात यह है कि वह यहां पर महिलाओं के सम्मान के बारे में बात कर रहे थे। महिलाओं के ऊपर जो विपत्ति है, जो महिलाओं के अगेंस्ट क्राइम हो रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने बोला। सर, ओडिशा नम्बर तीन पर स्टैंड करता है, लेकिन मैं उनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं और अगर मैं गलत हूं तो मुझे माफ कीजिएगा। मुझे किसी सदस्य से यहां पर कोई कम्प्लेंट नहीं है। अगर क्राइम अगेंस्ट वूमेन में नम्बर वन पर काउंट किया जाए तो शायद जो रिपोर्ट बता रही है, उसमें उत्तर प्रदेश है और वहां पर उन्हीं की सरकार राज कर रही है।

मैं ओडिशा के बारे में इतना कहना चाहूंगा कि माननीय मुख्य मंत्री श्री नवीन पटनायक साहब ने वर्ष 2000 में जब पहली बार मुख्य मंत्री के पद पर आसन ग्रहण किया, तब एक ही साल के अंदर उन्होंने मिशन शक्ति करके एक मूवमेंट मूव किया, जिसमें महिलाओं को सशक्त करने के लिए सोचा। आज की तारीख में 70 लाख महिलाएं सशक्त हो चुकी हैं। सर, आप जानकर हैरान होंगे कि कोविड -19 के टाइम में 1,174 एसएचजीज़ ने 33 लाख मास्क्स बनाए।

कई हजार ग्रुप्स ने 8.5 मिलियन लोगों को मील्स पहुंचाए हैं। उन्होंने खुद से वह खाना बनाया है। मैं उस राज्य से हूं।

मैं आपके माध्यम से इतनी विनती करना चाहूंगा कि आज की तारीख में सबसे दुखद चीज फेक न्यूज है। स्प्रेडिंग ऑफ फेक न्यूज, … *खबरों को अफवाह की तरह फैलाकर युवाओं को मिसलीड करने का काम होता है, इसको अगर हम लोग नहीं रोकेंगे तो कोई नहीं रोकेगा।

मैं आपके माध्यम से सरकार और प्रधान मंत्री जी से आग्रह करूंगा, वह हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए एनक्रेज करते हैं। उन्हीं की पार्टी के जो नेशनल स्पोक्सपर्सन हैं, उन्हीं की पार्टी के जो नेशनल वाइस प्रज़िडेंट हैं, उनकी एक संस्था के काफी सारे स्टाफ ने … *(व्यवधान)

*t118

Title: Demand to enact population Control Law in the country and include Darrang district in Mangaldoi Parliamentary Constituency in the railway map.

***SHRI DILIP SAIKIA (MANGALDOI) :** Speaker Sir. Thank you. I would like to speak in Assamese. Honourable Speaker Sir, after Jammu & Kashmir, Assam has the second largest Muslim population. It has 34% Muslim population and as per estimates, after 2021 census there will be 35% Muslim population in the state. Out of 126 Assembly constituencies, in 82 constituencies (LACs), there are minimum 20,000 Muslim voters revealed in recent survey.

This statistics, therefore, has compelled us to think that a situation may arise when Assam becomes a Jammu & Kashmir. Therefore, I hope that the government of India, under honourable Prime Minister Modi and the entire Parliament together should enact a Population Control Law. Unless we come out with population control policy, Assam will take the direction of Jammu & Kashmir. It is not only Assam, but the manner in which Muslim population is increasing in West Bengal and Bihar, Jammu & Kashmir like situation may erupt in these states also. Therefore, through the Parliament, I put forth my demand to the government to come out with a vibrant population policy. This is my first demand.

Secondly, this is for the third time I am mentioning that my District (Darrang) is not yet in the railway map. I once again urge upon the Railway Minister and Government of India to include Darrang district in the railways map. I, as a Member of Parliament elected from Darrang district, the headquarter of the district, am demanding this for the 4th time to include my district in the railway map. This is my humble submission. Thank you. Namaskar.

*t119

Title: Need to include Bulandshahar in Regional Rapid Transit System (RRTS).

श्री भोला सिंह (बुलंदशहर): बहुत-बहुत धन्यवाद आदरणीय अध्यक्ष महोदय।

अध्यक्ष महोदय, मैं बुलंदशहर लोक सभा क्षेत्र से आता हूं और बुलंदशहर लोक सभा दिल्ली एनसीआर का हिस्सा है। देश की राजधानी दिल्ली से बुलंदशहर मात्र 75 किलोमीटर की दूरी पर है। मैं पहले भी सदन में कई बार आग्रह कर चुका हूं कि मेरे यहां प्रदेश में सर्वाधिक दूध के प्लांट हैं, चार शुगर मिल्स हैं, आम की पैदावार में प्रदेश में नंबर वन पर है और दिल्ली के लिए सब्जी और फल की व्यवस्था यहां से होती है। गंगा जी के 12 पावन घाट हैं। यह एनसीआर के हिस्से में आता है, लेकिन एनसीआर के विकास से अभी तक वंचित है। मेरे यहां न तो मेट्रो की सुविधा है और न आरआरटीएस की सुविधा है।

मैं आपके माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी से और माननीय शहरी विकास मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि आपने आरआरटीएस की सुविधा के लिए बुलंदशहर को सेकेण्ड फेज में लिया है। लेकिन बुलंदशहर का नाम उसमें कहीं मेंशन नहीं है। गाजियाबाद से खुर्जा दर्शाया गया है, जबकि हेडक्वार्टर बुलंदशहर है। मैं आग्रह करूंगा कि बुलंदशहर से होकर उसको निकाला जाए ताकि बुलंदशहर हेडक्वार्टर से वह जुड़े और वहां के लोकल लोगों को उसका लाभ मिले।

माननीय अध्यक्ष :

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री भोला सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

*t120

Title: Demand reduction of import duty on Asofetida (Heng).

श्री राजवीर दिलेर (हाथरस): धन्यवाद आदरणीय अध्यक्ष महोदय

मेरी लोक सभा क्षेत्र हाथरस में हींग और रंग-गुलाल का कार्य बड़ी मात्रा में होता है। हाथरस को हींग की नगरी के नाम से जाना जाता है। भारतीय भोजन के लिए हींग स्वाद के साथ-साथ अत्यंत पाचक भी है। जिसके लिए कच्चा माल उजबेकिस्तान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान से आयात होता है।

इस पर आयात शुल्क 29.9 प्रतिशत है तथा अन्य खर्चें भी लगते हैं, जिस कारण से इसकी कीमतें बढ़ जाती हैं। हींग को हाथरस में तैयार करके भारतीय उपभोक्ताओं के अलावा कुवैत, सऊदी अरब सहित अनेक देशों में निर्यात करके विदेशी मुद्रा अर्जित की जाती है। मैं सरकार से यह मांग करता हूं कि हींग पर आयात शुल्क को कम करने तथा निर्यात को प्रोत्साहित करने हेतु कदम उठाए जाने के साथ ही साथ, इस उद्योग के लिए विशेष पैकेज प्रदान किया जाए, ताकि इस उद्योग को बढ़ावा मिल सके। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री राजवीर दिलेर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

*t121

Title: Regarding alleged incident of murder in Hamirpur in Uttar Pradesh.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर) : अध्यक्ष महोदय**,** आपका धन्यवाद। महोदय**,** वर्तमान में देश के यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की वजह से जिस प्रकार से पूरी दुनिया के लोग हिन्दुस्तान में आकर इंडस्ट्रीज़ लगाना चाहते हैं और यहां पर अच्छा इन्वेस्टमेंट मिल रहा है**,** उसी प्रकार से हमारे उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री

आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश में बिजली, लॉ एंड आर्डर एवं हर प्रकार की व्यस्थाओं को भी सुदृढ़ किया है। आज की तारीख में पूरे देश के इंडस्ट्रलिस्ट उत्तर प्रदेश में पहुंच रहे हैं।

महोदय, मुझे बड़े ही दुख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि मेरे संसदीय क्षेत्र में एक उद्यमी थे, जिनका नाम इन्द्रकांत था, जो लोहे के व्यवसायी थे, अभी कुछ दिन पहले उनकी हत्या कर दी गई है। उन्होंने अपनी हत्या से दो दिन पहले एक वीडियो वायरल किया था कि अगर मेरी हत्या होती है, तो वहां के पुलिस अधीक्षक को उसका जिम्मेवार माना जाए। उनके खिलाफ एफआईआर हुई। माननीय योगी जी ने उनको सस्पेंड किया और उनके खिलाफ धारा 302 के तहत एफआईआर भी लिखी गई है।

अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि जैसे एक तरफ मुंबई में कोई घटना होती है, जब कसाब ने मुंबई पर हमला किया था, तो मुंबई पुलिस के एक कॉन्सटेबल तुकाराम ने एके-47 लिए हुए कसाब को पकड़ा था और अपनी शहादत दी थी। जहां एक तरफ कॉन्सेटबल भी शहीद हुए थे, वहीं दूसरी तरफ वहां के ज्वाइंट कमिश्नर श्री हेमंत करकरे जी भी शहीद हुए थे। दिल्ली में जो बाटला हाउस कांड हुआ था, जिसमें इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा जी शहीद हुए थे। एक तरफ तो पुलिस बहुत अच्छा काम कर रही है, मैं ऐसे लोगों को सैल्यूट करता हूं। वहीं दूसरी तरफ आईपीएस जैसे बड़े पदों पर पहुंचकर कुछ लोग देश और प्रदेश की सरकार को बदनाम कर रहे हैं। इसी के साथ-साथ उद्यमियों और व्यापारियों द्वारा इस प्रकार की अनेकों शिकायतें मिल रही हैं और जनता में भय का वातावरण है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे एक निवेदन करके अपनी बात पूरी करना चाहता हूं कि इस प्रकार का जो वातावरण है, मैं भारत सरकार से यह निवेदन करता हूं कि एक बार पूरे देश में ऐसे जितने भी उच्च अधिकारी हैं, जिन पर आरोप लगे हुए हैं, मैं यह कहता हूं कि अगर उसमें राजनीतिक लोग भी हों, तो उनको भी इसमें शामिल किया जाए। जिनके खिलाफ आरोप लग रहे हैं, उनकी गंभीर जांच कराई जाए और इस प्रकार के लोगों को दंडित करने का काम किया जाए।

*t122

Title: Regarding reservation to Maratha Community.

***श्री हेमन्त पाटिल (हिंगोली) :** अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद। महोदय, आप वीरों की भूमि से आते हैं। मैं आपके सामने शिक्षा और नौकरियों में मराठा समाज को दिए जाने वाले आरक्षण के संदर्भ में अपने शब्द रखना चाहता हूं। जब-जब इस देश पर आक्रमण हुआ है, तब-तब महाराष्ट्र उन आक्रमणों के खिलाफ जागा है, तब-तब मराठा वीरों ने इस देश के लिए अपनी शहादत दी है। आपने पानीपत में देखा होगा कि जब अहमद शाह अब्दाली इस देश पर आक्रमण करने आया था, तो एक ही दिन में सवा लाख मराठा वीरों ने अपना खून पानीपत की भूमि पर बहा दिया था। एक कवि ने कहा है कि –" यदि महाराष्ट्र मरा तो राष्ट्र भी मरेगा, मराठों के बगैर राष्ट्र भी नहीं चलेगा, मराठा पराधीनता का हमेशा प्रतिकार करेगा और यही इस राष्ट्र का आधार बनेगा।"

महोदय, हिन्दुस्तान का जो आधार रहा है, वह हमारा मराठा वीर रहा है। मराठा वीरों ने देश और धर्म को बचाने के लिए शहीद होने के काम किया है। आज वही मराठा वीर आरक्षण तथा शिक्षा और नौकरी नहीं मिलने के कारण बड़े पैमाने पर आत्महत्या कर रहे हैं। वर्ष 2018 में महाराष्ट्र सरकार ने मराठा समाज को कानून के माध्यम से आरक्षण दिया था, जिसको माननीय उच्च न्यायालय द्वारा वैध घोषित किया गया था। लेकिन 9 सितंबर को माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस कानून पर स्टे लगा दिया गया है। वर्ष 2020-21 में भर्ती होने वाली प्रक्रिया में यह आरक्षण नहीं लागू होगा। सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश के कारण मराठा समाज के लोगों के साथ अन्याय होगा, जिनको बहुत वर्षों के संघर्षों और आंदोलनों बाद आरक्षण का अधिकार मिला है, जिससे उनके आर्थिक और सामाजिक विकास को बल मिलेगा।

अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से यह विनती है कि मराठा समाज को दिए जाने वाले आरक्षण को सुरक्षित रखा जाए और इस वर्ष इस पर लगी रोक को हटाने के लिए निर्णायक कदम उठाए जाएं।

धन्यवाद। जय हिन्द, जय महाराष्ट्र।

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री हेमन्त पाटिल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

*t123

Title: Demand to open Agriculture University in Satrati in Khargone Parliamentary Constituency, Madhya Pradesh.

श्री गजेंद्र उमराव सिंह पटेल (खरगौन): महोदय, आपने मुझे अपने लोक सभा क्षेत्र खरगोन-बड़वानी के अति महत्वपूर्ण मुद्दे पर बात रखने का अवसर दिया है। मैं अपने पूरे क्षेत्र की ओर से आपको धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। मेरे खरगोन-बड़वानी लोक सभा क्षेत्र में 95 पर्सेंट से ऊपर कृषि करने वाले अत्यधिक किसान लोग रहते हैं। वहां पर कपास, मिर्ची, सोयाबीन, पपीता एवं गन्ने की अत्यधिक पैदावार होती है। परंतु जब किसानों के बेटे महाविद्यालय में पढ़ने जाते हैं तो उन्हें कृषि विषय नहीं मिल पाता है। मेरे ही संसदीय क्षेत्र में कसरात विधान सभा है। उस कसरात विधान सभा में एक सतराटी जगह है, जहां पर कृषि प्रशिक्षण केंद्र स्थापित है और पिछले दिनों हमने वहां पर दौरा किया था। वहां पर डेढ सौ एकड़ जमीन है। मैं आपके माध्यम से माननीय कृषि मंत्री जी से आग्रह करता हूँ कि वहां पर कृषि महाविद्यालय खोला जाए या कृषि विश्वविद्यालय खोला जाए। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि अगर यह खोला जाएगा तो वहां पर किसान के बेटों को रोज़गार भी मिलेगा और उन्नत खेती का भी हमको लाभ मिल पाएगा।

*t124

Title: Issue regarding reimbursement of insurance amount to farmers in Bundelkhand region.

श्री अनुराग शर्मा (झांसी): अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं सबसे पहले प्रधान मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिन्होंने अभी विशेष रूप से दलहनों पर एमएसपी बढ़ाया है।

महोदय, मैं बुंदेलखंड से आता हूँ और आपके माध्यम से एक विशेष समस्या अपने क्षेत्र की यहां रखना चाहता हूँ। चाहे बुंदेलखंड हो, झांसी हो, ललितपुर हो, मेहरोनी हो, मंडावला या रानीपुर से रक्सा तक बीमा कंपनियां हमारे किसानों से, जब किसान क्रेडिट कार्ड से पैसा लेती हैं, तब वह पैसा पूरा का पूरा बीमा के लिए वसूल लिया जाता है। परंतु जब दलहन का नुकसान पिछले साल हुआ तो बताया जाता है कि अब इनका आधार, इनका बैंक का खाता, इनका खसरा-खतौनी का नंबर मैच ही नहीं करता है। कभी नाम मैच नहीं करता है, कभी किसी न किसी चीज़ की समस्या सामने रख दी जाती है। दिक्कत यहां पर आती है कि जब ये कंपनियां पैसा लेना चाहती हैं, तब सब कुछ मैच करता है। मेरे वहां करोड़ों रुपये किसान भाइयों को नहीं मिल रहे हैं। आपके माध्यम से मैं कृषि मंत्रालय से यह कहना चाहूंगा कि हमारे चाहे रक्सा हो या रानीपुर हो, सारे के सारे किसान भाई इस चीज़ से बहुत दिक्कत में हैं, उनकी रकम ली गई है और बीमा किया गया है, यह रकम उनको जल्दी से जल्दी दिलवाया जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री अनुराग शर्मा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

*t125

Title: Regarding Martyr's memorial in Meerut.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): महोदय, 10 मई, 1857 को मेरठ से क्रांति का शुभारंभ हुआ था। सन् 1857 के प्रथम अमर शहीदों की स्मृति में मेरठ महानगर में शहीद स्मारक बना हुआ है। यह स्थल मेरठ की संस्कृति एवं इतिहास से जुड़ा होने के कारण बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। इस स्थल पर अमर-जवान ज्योति प्रज्ज्वलित करने की योजना वर्ष 1988 से लंबित है। अनेक बार इस संबध में मांग की गई है। मैंने स्वयं इस संबंध में अनेकों बार गेल के अधिकारियों तथा मेरठ केंट एवं मेरठ विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से बातचीत की है, परंतु अभी तक कुछ नहीं हुआ है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि मेरठ के शहीद स्मारक पर अमर-जवान ज्योति को निंरतर प्रज्ज्वलित करने की व्यवस्था कराई जाए, ताकि मेरठ की क्रांति धरा से 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जा सके।

धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: सभा की कार्यवाही बुधवार दिनांक 23 सितंबर, 2020 को सायं छह बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

22.45 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eighteen of the Clock on Wednesday, September 23, 2020/Asvina 1, 1942 (Saka)

---

* Not recorded.

* Expunged as ordered by the Chair.

** Not recorded.

* Expunged as ordered by the Chair.

* Expunged as ordered by the Chair.

* Expunged as ordered by the Chair.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded as ordered by the Chair.

** Not recorded.

* Laid on the Table and also placed in Library, See Nos. LT 2769/17/20 and 2770/17/20 respectively.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

*Hindi translation of the speech originally delivered in Magahi

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* English translation of the speech originally delivered in Gujarati

* English translation of the speech originally delivered in Gujarati

* English translation of the speech originally delivered in Gujarati

* English translation of the speech originally delivered in Kannada.

*Hindi translation of the speech originally delivered in Bhojpuri.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* English translation of the Speech originally delivered in Bengali.

* English translation of the Speech originally delivered in Marathi.

* Not recorded.

* English translation of the Speech originally delivered in Assamese.

* Hindi translation of the Speech originally delivered in Marathi.